1 अच्छे बच्चे

अभ्यास

प्रथम भागः विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) स्वयं कीजिए। (ख) स्वयं कीजिए।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. तुक मिलाओ–

उत्तर–

बच्चे	सच्चे
जाते	पाते
पढ़ते	चढ़ते
पढ़ाते	सिखलाते
जाएँगे	सिखलाएँगे

द्वितीय भागः रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) अध्यापक हमें पढ़ाते और सिखाते हैं।

(ख) अच्छे बच्चे दिल के सच्चे होते हैं।

II. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो–

उत्तर– विद्यालय हम **जाते हैं**,
रोज नया कुछ पाते हैं।
लिखते **हैं** और **पढ़ते हैं**,
नई **सीढ़ियाँ चढ़ते** हैं।

तृतीय भागः विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. विद्यालय में कौ-कौन लोग होते हैं? नाम लिखो–

उत्तर–विद्यालय में अध्यापक, बच्चे, चपरासी, चौकीदार इत्यादि होते हैं।

II. बालक को झोंपड़ी तक पहुँचाओ।

उत्तर– स्वयं कीजिए।

2 रेलगाड़ी सुनाए अपनी कहानी

अभ्यास

प्रथम भागः विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) रेलगाड़ी से यात्रा करते समय बहुत आराम मिलता है क्योंकि इसमें आराम से लेटकर तथा सोकर यात्रा की जा सकती है। रेलगाड़ी में यात्रा करते समय मुख्यत: भीड़ की समस्या सामने आती है।

(ख) आजकल रेलगाड़ियाँ पेट्रोल तथा डीजल से चलाई जाती हैं।
(ग) कोलकाता और दिल्ली में चलने वाली रेलगाड़ी को मेट्रो के नाम से जाना जाता है।
(घ) रेलगाड़ी में यात्रा करने से पहले रिजर्वेशन कराना पड़ता है, ताकि यात्रा के समय सीट इत्यादि मिलने में परेशानी न हो।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. एक-अनेक–

उत्तर– अँगीठी	**अँगीठियाँ**	पहिया	**पहिए**
डिब्बा	**डिब्बे**	पतीला	**पतीले**

IV. नए शब्द बनाओ–

उत्तर– क्त	शक्ति	**सशक्त**	**भक्ति**
त्य	नित्य	**सत्य**	**पत्य**
ब्ब	डिब्बा	**रब्बा**	**धब्बा**
ल्ल	दिल्ली	**तिल्ली**	**सिल्ली**
प्र	प्रेम	**प्रेस**	**प्रेत**

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) हाँ, हमने रेलगाड़ी से यात्रा की है। मेरठ से देहरादून तक।
(ख) हाँ, हमें रेलगाड़ी में यात्रा करना अच्छा लगता है। शालीमार, शताब्दी, नौचंदी-एक्सप्रेस।

II. वे शब्द जो किसी वस्तु, स्थान या व्यक्ति का नाम बताएँ, उन्हें संज्ञा कहते हैं–

उत्तर– व्यक्ति	**वस्तु**	**स्थान**
जार्ज	रेलगाड़ी	दिल्ली
यात्री	भाप	शहर

III. दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) जॉर्ज ने (ख) भाप की (ग) मेट्रो

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. दिल्ली की मेट्रो ट्रेन में यात्रा करो। इसकी विशेषताओं को ध्यानपूर्वक देखो। इस यात्रा के अनुभव अपनी कक्षा में सुनाओ–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

II. इस पाठ में रेलगाड़ी अपने बारे में बताती है। इसी प्रकार स्वयं को हवाई जहाज मानकर अपनी आत्मकथा लिखो–

उत्तर– मैं हवाई जहाज हूँ। मैं हवा में उड़ता हूँ। मेरे अन्दर बैठने के लिए बहुत अधिक स्थान रहता है। मेरा आविष्कार राइट-बंधुओं ने किया था। मैं यात्रा करने का सबसे महँगा साधन हूँ। मेरे अन्दर बैठकर यात्रा करने वालों को खाना पीना भी मिलता है। मेरे द्वारा यात्रा करने के लिए पहले ही रिजर्वेशन कराना पड़ता है।

शिक्षण संकेत

उत्तर– स्वयं कीजिए।

3 चाँद की सैर

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) ट्रेन चलाने वाला एक बूढ़ा आदमी गैरी था।

(ख) चाँद की धरती रूपहली थी।

(ग) चाँद पर छोटे-नाटे लोग गैरी की ट्रेन में जा बैठे।

(घ) गैरी चाँद पर पहुँचकर खुश हुआ।

(ङ) चाँद गोल होता है।

II. पढ़ना सीखो-

उत्तर- स्वयं कीजिए।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ-

उत्तर- (क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✗)

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

उत्तर- (क) गैरी अक्सर सोचता-'काश मैं, अपनी ट्रेन चाँद पर ले जा पाता।

(ख) ट्रेन एक दिन एकाएक चाँद की ओर चल पड़ी।

II. समान अर्थ वाले शब्दों को छाँटकर सामने लिखो-

उत्तर-

नींद	**निद्रा**	तारा	**सितारा**	बूढ़ा	**वृद्ध**
सपना	**स्वप्न**	धरती	**भूमि**	खुश	**प्रसन्न**

III. पाठ में से वाक्य ढूँढ़ो जिनसे नीचे लिखी बातों का पता चलता है-

उत्तर- (क) गैरी अक्सर सोचता, 'काश, मैं अपनी ट्रेन चाँद पर ले जा पाता!'

(ख) ''आहा! तारे कितने प्यारे हैं।''

(ग) सुंदर-सी चाँद की रानी वहाँ खड़ी थी।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. बताओ मनोरंजन पार्क में क्या-क्या होता है? किसी मनोरंजन पार्क का रंगीन चित्र बनाओ।

उत्तर- स्वयं कीजिए।

II. कविता आगे बढ़ाओ-

उत्तर- धक-धक, धक-धक, धू-धू, धू-धू!
भक-भक, भक-भक, भू-भू, भू-भू!
छक-छक, छक-छक, छू-छू, छू-छू!
करती आई रेल।
फट-फट, फट-फट, फू-फू, फू-फू!
टक-टक, टक-टक, टू-टू, टू-टू!
सट-सट, सट-सट, सू-सू, सू-सू!
कहलाती वह कालका मेल।

4 इंद्रधनुष

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर-

उत्तर- (क) इंद्रधनुष देखने पर लगता है कि किसी चित्रकार द्वारा अपनी तूलिका से कैनवास पर कई रंग एक साथ बराबरी से भर दिए गए हो।

(ख) इंद्रधनुष का शाब्दिक अर्थ है— देवराज इंद्र का धनुष।

(ग) इंद्रधनुष के संबंध में कहावत है कि इसके निकलने पर शाम के समय अथवा सवेरे पानी जरूर बरसेगा।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✓) (ङ) (✓)

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) इंद्रधनुष वर्षाकाल में निकलता है।

(ख) इंद्रधनुष का अर्थ है– देवराज इंद्र का धनुष

(ग) इंद्रधनुष में सात रंग होते हैं।

(घ) इंद्रधनुष निकलने पर कहावत है कि शाम के समय अथवा सवेरे पानी जरूर बरसेगा।

II. समान अर्थ वाले शब्दों को छाँटकर सामने लिखो–

उत्तर– (क) ढका — **जो दिखाई न दे**

(ख) तूलिका — **कूँची**

(ग) सदुपयोग — **उचित प्रयोग**

III. नीचे कुछ गलत वाक्य लिखे हैं, उन्हें सुधारकर लिखो–

उत्तर– (क) आकाश बादलों से ढका हुआ था।

(ख) इंद्रधनुष के सात रंग बड़े ही प्यारे होते हैं।

(ग) रंग में भंग नहीं होना चाहिए।

(घ) रंगों के बिना जीवन अधूरा है।

(ङ) वर्षा ऋतु बड़ी सुहानी होती है।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. नीचे दिए गए इंद्रधनुष में रंग भरो और रंगों के नाम लिखो–

उत्तर– (क) बैंगनी (ख) नीला (ग) आसमानी (घ) हरा

(ङ) पीला (च) नारंगी (छ) लाल

रंग स्वयं कीजिए।

II. क्या तुमने कभी इंद्रधनुष देखा है? अगर हाँ, तो तुम्हें इंद्रधनुष का कौन-सा रंग सबसे अच्छा लगता है और क्यों? नीचे दिए गए स्थान में लिखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

5 जंगल की दौड़

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) शेर के मन में यह प्रश्न उठा कि हम यह कैसे जानें कि हमारे राज्य में सबसे तेज़ कौन दौड़ता है?

(ख) बारहसिंगा रास्ते में आए एक बड़े पत्थर से टकराकर गिर गया।

(ग) अंत में चीता जीता।

(घ) इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि एक सच्चे मित्र का यह कर्तव्य है कि वह विपत्ति में अपने मित्र का साथ न छोड़े।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) (✗) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗)

द्वितीय भाग : रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) जंगल में दौड़ का आयोजन यह जानने के लिए किया गया कि राज्य में सबसे तेज कौन दौड़ता है।

(ख) अन्तिम बचे जानवरों को मैदान से होकर पहाड़ी के दूसरे छोर तक दौड़ना था।

(ग) बारहसिंगा को हारने का दुख इसलिए नहीं था क्योंकि उसे एक सच्चा मित्र मिल गया था।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से खाली स्थान भरो–

उत्तर– (क) खरगोश झंडा लिए **नीम** के पेड़ के पास खड़ा था।

(ख) सारे जानवर **उत्साह** से चिल्ला रहे थे।

(ग) बारहसिंगा **दर्द** से तड़प रहा था।

(घ) राजा ने घोषणा की कि चीता हारकर भी **जीत** गया।

III. नीचे दिए प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) शेर के (ख) चीता और बारहसिंगा

तृतीय भाग : विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मुसीबत में काम आने वाला ही सच्चा मित्र होता है। इस विषय पर अपनी कक्षा में बातचीत करो।

उत्तर– स्वयं कीजिए।

II. सप्ताह के दिनों के नाम पढ़ो और सही क्रम लिखो–

उत्तर– सोमवार मंगलवार बुधवार बृहस्पतिवार
शुक्रवार शनिवार रविवार

6 प्यारे फूल

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) फूल हमें हमेशा मुस्कराने का संदेश देता है।

(ख) फूल सूरज की रोशनी से खिल जाते हैं।

(ग) फूल खिल-खिल कर बच्चों को खुश करते हैं।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

द्वितीय भाग : रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) फूल दीवारों पर झूला झूलकर प्रसन्न हो जाते हैं।

(ख) पिटूनिया के फूल सबकी आँख के तारे लगते हैं।

(ग) फूल खिल-खिल कर मुस्कराते हैं।

II. उचित विपरीत अर्थ वाले शब्द पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– सरदी — गरम **गरमी**

अच्छा	—	बुराई	**बुरा**
पसंद	—	**नापसंद**	गंदा
दु:ख	—	दु:खी	**सुख**
शुद्ध	—	**अशुद्ध**	अशुद्धी

III. नीचे दी गई कविता की पंक्तियों को पूर्ण करो–

उत्तर– खिल-खिलकर वे **मुस्काते** हैं
हमको भी **खुश** कर जाते हैं,
इस **गमले** के सारे फूल
पिटूनिया के प्यारे फूल।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. किसी फूल का चित्र काटकर यहाँ चिपकाइए तथा उसके नाम और उसके रंग के बारे में दो पंक्ति लिखिए–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

II. क्या आप इन फूलों के नाम जानते हैं? नाम लिखिए–

उत्तर–

गुलाब

कमल

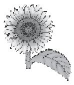
सूरजमुखी

7 प्रिया गई बाज़ार

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) हम बाज़ार सामान खरीदने के लिए जाते हैं।
(ख) हमें बाज़ार में अपने मम्मी-पापा के साथ रहना चाहिए।
(ग) स्वयं कीजिए।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. नीचे कुछ कथन दिए गए हैं। उन्हें उचित नामों से मिलाओ–

उत्तर–

(क) अरे प्रिया! मम्मी कहाँ हैं?	—	चाचा जी
(ख) मम्मी, मैं आपका हाथ कभी नहीं छोड़ूँगी।	—	प्रिया
(ग) मेरी बेटी, पता नहीं कहाँ होगी?	—	मम्मी

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) प्रिया अपनी मम्मी के साथ बाजार गई थी।
(ख) प्रिया ने मम्मी से अपना हाथ छुड़ाया और खिलौने देखते-देखते आगे निकल गई।
(ग) अपनी मम्मी से बिछड़कर प्रिया घबरा गई और रोने लगी।
(घ) प्रिया अपने चाचा जी की वजह से अपनी मम्मी से मिल सकी।

II. दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) बाज़ार (ख) घबरा गई (ग) चाचा

III. दिए गए शब्दों से खाली स्थान भरो–

उत्तर– (क) प्रिया मम्मी का हाथ छुड़ाकर **खिलौने** देखने लगी।
(ख) चाचा ने प्रिया को **गोद** में उठा लिया।
(ग) प्रिया की मम्मी तुरंत **घंटाघर** पहुँची।
(घ) मम्मी ने प्रिया को **प्यार** किया।

IV. बताओ क्या होता, यदि–

उत्तर– (क) यदि प्रिया को उसके चाचा न मिले होते तो वह अपनी मम्मी से इतनी जल्दी नहीं मिल पाती।
(ख) स्वयं कीजिए।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. बाज़ार में हमें किस प्रकार का व्यवहार करना चाहिए? अपनी कक्षा में चर्चा करो।

उत्तर– स्वयं कीजिए।

II. नीचे एक दुकान का चित्र दिया गया है। तुम जिन वस्तुओं को खरीदना चाहोगे, उनकी एक सूची बनाओ–

उत्तर– **मेरी सूची**
(क) किताबें
(ख) चिप्स
(ग) जैम
(घ) दूध
(ङ) बॉल
(च) खिलौने

8 स्वच्छता

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) अधिक मात्रा में चॉकलेट और टॉफी खाने से दाँतों में कीड़ा लग जाता है।
(ख) बीमारी से बचने का सबसे अच्छा तरीका है अपने शरीर की ठीक से सफाई करना।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. दिए गए शब्दों की सहायता से खाली स्थान भरो –

उत्तर– (क) अधिक चॉकलेट, टॉफी खाने से **दाँत** सड़ जाते हैं।
(ख) सुबह सोकर उठने व रात में सोने से पहले **मंजन** करना चाहिए।
(ग) हमें **प्रतिदिन** नहाना चाहिए।
(घ) **स्वस्थ** रहने के लिए स्वच्छता आवश्यक है।

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) सक्षम स्कूल से लौटकर इसलिए रो रहा था क्योंकि उसके दाँत में दर्द हो रहा था।
(ख) माँ ने कहा, तुम्हारे दाँत तो बहुत गंदे हो रहे हैं, ठीक से मंजन किया करो।
(ग) दाँतों की सफाई ठीक से न करने के कारण दाँतों में कीड़े लग जाते हैं।

(घ) सक्षम बोला, ठीक है डॉक्टर अंकल! अब मैं इन सभी बातों का हमेशा ध्यान रखूँगा।

II. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका क्रिया से संबंध प्रकट हो, उसे कारक कहते हैं। कारक के चिह्न 'ने, को, से, के लिए', अलग होने के अर्थ में से, 'का, के, की, रा, रे, री, में, पर, हे, अरे' आदि हैं- नीचे दिए गए वाक्यों को कारक चिह्नों से पूरा करो-

उत्तर– (क) मनोज **ने** पढ़ाई पूरी कर ली।

(ख) वृक्ष **से** पत्ते गिर रहे हैं।

(ग) वह कलम **से** पत्र लिखता है।

(घ) स्वस्थ रहने **के लिए** रोज़ाना नहाओ।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

- **बच्चो! दाँत के डॉक्टर से दाँत साफ़ करने का सही ढंग जानिए।**
- **'स्वच्छता' विषय पर चित्र काटकर उत्तर पुस्तिका में लगाइए।**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

9 एकता में बल है

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर-

उत्तर– (क) कबूतर दिनभर भोजन की खोज में घूमते रहते थे।

(ख) कबूतर लालचवश जाल में फँस गए थे।

(ग) बूढ़ा कबूतर दाना खाने धरती पर इसलिए नहीं उतरा था क्योंकि उसको किसी अनहोनी का अंदेशा हो गया था।

(घ) इस कहानी से हमें यह संदेश मिलता है कि कोई भी कार्य करने से पहले हमें उसके अच्छे और बुरे परिणामों पर विचार कर लेना चाहिए।

II. पढ़ना सीखो-

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ-

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✗) (घ) (✓) (ङ) (✗)

IV. समान अर्थ वाले शब्द पर गोला बनाओ-

उत्तर– (क) ढूँढ़ना (ख) खाना (ग) ज़मीन (घ) सहायता

V. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो-

उत्तर– (क) कबूतर **पीपल** के पेड़ पर रहते थे।

(ख) बहुत-से दाने **धरती** पर बिखरे थे।

(ग) जंगल में इतने **दाने** कहाँ से आए?

(घ) कबूतर **जाल** में फँस गए थे।

(ङ) चूहा हमारी **मदद** करेगा।

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

उत्तर– (क) जाल बहेलिए ने बिछाया था।

(ख) नहीं, बूढ़ा कबूतर जाल में नहीं फँसा था।
(ग) कबूतरों के चिल्लाने पर बूढ़ा कबूतर बोला, घबराओ मत। सब मिलकर जोर लगाओ। एक साथ जाल को लेकर उड़ चलो।
(घ) बूढ़े कबूतर का मित्र चूहा था।
(ङ) उसने जाल काटकर कबूतरों की मदद की।

II. उदाहरण के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखो–

उत्तर– (क) दर्जी (ख) धोबी (ग) बढ़ई (घ) लुहार

III. दिए गए उदाहरण की तरह वाक्य बनाओ–

उत्तर– (क) कबूतर धरती पर **उतर रहे हैं।**
कबूतर धरती पर **उतरने लगे।**
(ख) चूहा जाल **काट रहा है।**
चूहा जाल **काटने लगा।**

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. 'एकता में बल है।' इस विषय पर तीन-चार वाक्य बोलो।

उत्तर– स्वयं कीजिए।

II. चित्रों की सहायता से वाक्य पूरे करो–

उत्तर– जंगल में पीपल का एक **बहुत पुराना** पेड़ था। पेड़ पर **बहुत से कबूतर** रहते थे। एक दिन धरती पर बहुत-से **दाने बिखरे** पड़े थे। **सभी** कबूतर दाने खाने लगे। कबूतर जाल में फँस गए। तभी एक **बहेलिया** आया। कबूतर **जाल को** लेकर उड़ गए। एक **चूहा** बूढ़े कबूतर का मित्र था। चूहे ने **जाल को** काट दिया।

10 घंटी कौन बाँधेगा?

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) चूहे सदा से बिल्ली से डरते आए हैं।
(ख) चूहों के खाने पीने की कोई कमी इसलिए नहीं थी क्योंकि गोदाम-अनाज के बोरों से भरा रहता था।
(ग) बिल्ली के डर से चूहों ने बिल से बाहर निकलना बंद कर दिया।
(घ) चूहों की समस्या का आज तक कोई समाधान इसलिए नहीं निकला है, क्योंकि आज तक कोई बिल्ली के गले में घंटी नहीं बाँध सका है।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. समानार्थक शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ–

उत्तर–

नुकसान	हानि
अचानक	एकाएक
डर	भय
उपाय	तरीका

IV. अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर– (क) **नुकसान** (ख) **अचानक**
(ग) **बिल्ली** (घ) **घंटी**

(ङ) **भगदड़** (च) **समस्या**

द्वितीय भाग : रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

(क) चौधरी साहब अपने अनाज के नुकसान को लेकर परेशान थे।

(ख) चूहे गोदाम में रहते थे।

(ग) चौधरी साहब ने एक बिल्ली पाल ली।

(घ) चूहे ने बिल्ली से बचने का यह उपाय बताया कि बिल्ली के गले में घंटी बाँध दी जाए।

II. 'र्' में 'उ' और 'ऊ' की मात्रा उसके पेट में लगाई जाती है। जैसे –

उत्तर– (क) गुरु (ख) रुकना (ग) रूपाली (घ) करुणा

III. दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) अनाज (ख) चूहे

IV. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✗)

V. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो–

उत्तर– (क) चूहे **बिल** में जा छिपे।

(ख) बिल्ली के गले में **घंटी** कौन बाँधेगा?

(ग) चूहों ने **गोदाम** में अपना घर बना रखा था।

(घ) चूहे **बिल्ली** से परेशान हो गए।

(ङ) सरदार ने एक **सभा** बुलाई।

तृतीय भाग : विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

बिल्ली इस चूहे के पीछे पड़ी है। इसे बिल पहुँचाकर इसकी जान बचाइए।

उत्तर– स्वयं कीजिए।

11 तितली

अभ्यास

प्रथम भाग : विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) तितली काली, पीली, हरी, सुनहरी, नीली आदि सभी रंगों की होती है।

(ख) तितली फूलों का रस चूसती है।

(ग) तितली सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. समानार्थक शब्दों को रेखा खींचकर मिलाओ–

उत्तर–

सुनहरी	तितली
खूब	लुभाती
फूल	सुंदर
मन	बहलाना

IV. इन शब्दों में ई (ी) की मात्रा लगाकर नए शब्द बनाओ–

उत्तर– आती सुनहरी

काली	नीली
पीली	जाती

द्वितीय भागः रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. कविता पूरी करो–

उत्तर– (क) सुंदर-सुंदर **पंख हिलाती।**
फूलों का रस पीकर जाती।।
(ख) **जाने कहाँ से** आती तितली।
सबको खूब **लुभाती तितली।।**
(ग) तितली सबका **मन बहलाती।**
कभी किसी के **हाथ न आती।।**

II. दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) फूल पर (ख) सुंदर (ग) फूलों का (घ) सभी का

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) तितली फूलों पर मँडराती है।
(ख) तितली फूलों का रस पीती है।
(ग) तितली कभी किसी के हाथ इसलिए नहीं आती क्योंकि चंचल होने के कारण वह एक फूल से दूसरे फूल पर उड़ जाती है।

IV. निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखो–

उत्तर– (क) तितली (ख) सुनहरी
(ग) सुंदर (घ) पंख
(ङ) लुभाती (च) बहलाती

V. छाँटकर लिखो, तितली से कौन बड़ा है, कौन छोटा–

उत्तर–

बड़ा	**छोटा**
बकरी	चींटी
बिल्ली	मच्छर
कुत्ता	मक्खी

तृतीय भागः विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

'तितली' पर दो छोटे-छोटे वाक्य लिखो।

उत्तर– 1. रंग-बिरंगे पंखों वाली तितली सभी को अच्छी लगती है।
2. तितली के पंख कोमल तथा सुंदर होते हैं।

12 गोविंदन का साहस

अभ्यास

प्रथम भागः विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) गोविंदन के साहस और सूझ-बूझ की सभी ने प्रशंसा की।
(ख) गोंविदन ने एक बूढ़े अंधे को बचाया।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो–

उत्तर– (क) गोंविदन **साहसी** बालक था।
(ख) गोंविदन को सामने से **बस** आती दिखाई दी।
(ग) गोंविदन हाथ **ऊँचा** करके चिल्लाया।
(घ) ड्राइवर का चेहरा **शर्म** से झुक गया।

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्दों में दो–

उत्तर– (क) साहसी (ख) अंधा आदमी
(ग) सड़क के बीच में (घ) वीर बालक

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) गोविंदन ने देखा, एक बूढ़ा आदमी सड़क पार कर रहा था और सामने से बस आ रही थी।
(ख) बस देखकर गोविंदन हाथ ऊँचा करके चिल्लाया– ''रुक जाओ! आगे एक अंधा आदमी है।''
(ग) ड्राइवर ने गोविंदन को इसलिए डाँटा क्योंकि उसको तेजी से ब्रेक लगाने पड़े थे।

III. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों के स्थान पर उनके पर्यायवाची शब्द लिखो–

उत्तर– (क) एक **अंधा** आदमी सड़क पार कर रहा था।
(ख) ड्राइवर ने पूरी **ताकत** से ब्रेक लगाए।
(ग) ड्राइवर बहुत **क्रोध** में बस से बाहर निकला।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. गोविंदन के साहस के विषय में बताओ।

उत्तर– गोविंदन एक साहसी बालक था। उसने अपने साहस तथा सूझ–बूझ से एक अंधे बूढ़े की जान बचाई। उसके साहस की सभी ने भूरि–भूरि प्रशंसा की।

II. चित्र देखो और दिए गए शब्दों की सहायता से उस पर दो वाक्य लिखो–

उत्तर– दिल्ली में गणतंत्र दिवस की परेड चल रही थी। उसी अवसर पर राष्ट्रपति ने गोविंदन को वीर बालक के पुरस्कार से सम्मानित किया।

13 चूहे की पूँछ

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) सात पूँछें होने के कारण चूहा अनोखा था।
(ख) दूसरों के चिढ़ाने से चूहा तंग हो जाता था।
(ग) चूहा नाई के पास सात बार गया।
(घ) यह कहानी हमें यह संदेश देती है कि दूसरों के चिढ़ाने से हमें चिढ़ना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे हम अपना ही नुकसान कर बैठते हैं।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. दिए गए शब्दों के अनेक रूप (बहुवचन) पर गोला बनाओ–

उत्तर– पूँछ — पूछों, **पूँछें**
जानवर — **जानवरों,** जानवरें

कली — **कलियाँ,** कलीयाँ
औरत — औरतों, **औरतें**

IV. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो–

उत्तर– (क) चूहे की **सात** पूँछें थीं।
(ख) सभी चूहे को **चिढ़ाते** थे।
(ग) चूहा सबके चिढ़ाने से **तंग** हो गया।

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) सभी चूहे को सात पूँछ वाला चूहा, सात पूँछ वाला चूहा कहकर चिढ़ाते थे।
(ख) परेशान होकर चूहा नाई के पास जाकर बोला, ए नाई, मेरी एक पूँछ काट दो।
(ग) चूहे ने एक-एक करके अपनी सात पूँछें कटवाईं।
(घ) अंत में चूहा बिना पूँछ वाला हो गया।

II. चूहा बोलता है- चूँ-चूँ। तुम्हारे आस-पास देखे जाने वाले पशु-पक्षियों की आवाज़ें कैसी होती हैं? सोचकर मिलान करो।

उत्तर–

घोड़ा	हिन-हिन
बकरी	मैंऽऽऽ
चिड़िया	चीं-चीं
कुत्ता	भौं-भौं
तोता	टैं-टैं
बिल्ली	म्याऊँ-म्याऊँ

III. इन शब्दों को प्रयोग कर छोटे-छोटे वाक्य बनाओ–

उत्तर– सात — चूहे की सात पूँछें थी।
तंग — सबके चिढ़ाने से चूहा तंग आ गया।
परेशान — परेशान होकर वह नाई के पास गया।
आख़िरी — चूहे ने आखिरी पूँछ भी कटवा ली।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

14 भूल का परिणाम

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) घोड़े को भैंस के सींग मारने पर गुस्सा आया।
(ख) इस पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि दो लोगों की आपसी लड़ाई का फायदा हमेशा तीसरा व्यक्ति उठाता है। अत: हमें आपस में प्रेम से रहना चाहिए ताकि कोई दूसरा हमारा अहित न कर सके।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. नीचे दिए गए विशेषता बताने वाले शब्दों को संज्ञा शब्दों से मिलाओ–

उत्तर– हरी घास

मीठा दूध
ताज़ी हवा
काली भैंस

IV. उचित विपरीत अर्थ वाले शब्दों पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– हरी — नीली **सूखी**
मारना — **पुचकारना** हिलाना
मीठा — **कड़वा** स्वादिष्ट
अच्छा — ठीक **बुरा**

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) भैंस और घोड़ा घास खाने की बात पर झगड़े।
(ख) घोड़े ने आदमी से कहा, उसका दूध बहुत मीठा होता है, तुम उसे अपने घर ले जाओ। बाँधकर रखना और खूब दूध पीना
(ग) आदमी ने कहा, बात तो बहुत अच्छी है, पर मैं इसे पकड़ूँगा कैसे, यह तो तेज भागती है।
(घ) आदमी घोड़े की पीठ से इसलिए नहीं उतरा क्योंकि उसे घोड़े की सवारी पसंद आ गई थी।

II. नीचे दिए गए शब्दों में 'इक' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाओ। जैसे- प्रारंभ + इक = प्रारंभिक

उत्तर– (क) परोपकार + इक = **परोपकारिक**
(ख) समय + इक = **सामयिक**
(ग) प्रकृति + इक = **प्राकृतिक**
(घ) समाज + इक = **सामाजिक**

III. सही शब्द छाँटकर लिखो–

उत्तर– (क) मिलनसार (ख) झगड़ालू (ग) विनम्र (घ) दयालु

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– I. स्वयं कीजिए।
II. स्वयं कीजिए।

III. जानवरों को उनके घर तक पहुँचाओ–

उत्तर–

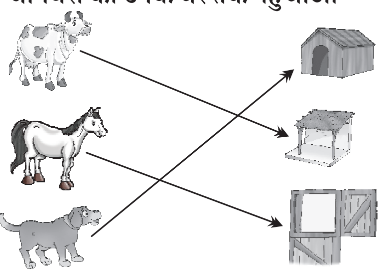

15 एक पेड़ की बात

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) नीम की पत्तियों और फूलों से बना चूरन पुराने से पुराने बुखार को तोड़ देता है।

(ख) नीम के पेड़ पर लगने वाले फल को निबोरी कहते हैं।
(ग)नीम के समान शीशम का पेड़ है जिसका प्रत्येक अंग काम आता है।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. बादल में से विपरीत अर्थ वाले शब्द छाँटकर लिखो–

उत्तर– कड़वा	**मीठा**	गुण	**अवगुण**
शत्रु	**मित्र**	ठंडा	**गरम**

IV. किसका, किससे संबंध है?

उत्तर– फल-फूल	गुणकारी दवाइयाँ
पत्तियों का चूरन	बुखार
तेल	साबुन
कीट-नाशक	पेड़
सूखी लकड़ी	ईंधन

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) नीम की जड़, गूदा, छाल, फल-फूल पत्तियाँ, टहनियाँ आदि सभी काम में आते हैं।
(ख) नीम की लकड़ी से खिलौने, छतों की कड़ियाँ, खिड़कियाँ, मेज़ कुरसियाँ आदि बनते हैं।
(ग) नीम एक कीट-नाशक पेड़ है क्योंकि यह कीड़ों का शत्रु है।
(घ) नीम से हमें बहुत सारे लाभ हैं- नीम सूखा हो या हरा, हर रूप में हमारे काम आता है।

II. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाओ–

उत्तर– दवाई	**दवाइयाँ**	कुरसी	**कुरसियाँ**
पत्ती	**पत्तियाँ**	कड़ी	**कड़ियाँ**
खिड़की	**खिड़कियाँ**	डाली	**डालियाँ**

III. निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर– हरा	**सूखा**	मीठा	**खट्टा**
गुणकारी	**अवगुणी**	सुख	**दुख**
ज़्यादा	**कम**	मित्र	**शत्रु**

IV. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो–

उत्तर– (क) नीम के पत्ते **कड़वे** होते हैं।
(ख) नीम की जड़, फूल, फल और पत्तियों से **गुणकारी** दवाइयाँ बनती हैं।
(ग) राह चलते लोग नीम की छाया में **विश्राम** करते हैं।
(घ) नीम की पतली **टहनियाँ** दातुन करने के काम आती हैं।
(ङ) नीम की सूखी लकड़ी **ईंधन** के भी काम आती है।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

16 महात्मा गांधी

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) गांधी जी की माता पुतलीबाई और पिता करमचंद गांधी थे।

(ख) गांधी जी को एक मुकदमे की पैरवी के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा था।

(ग) सविनय अवज्ञा आंदोलन का अर्थ है विनयपूर्वक अर्थात् बिना किसी हिंसा के किसी की बात का विरोध करना।

(घ) महात्मा गांधी का जीवन हमें राष्ट्र तथा मानव से प्रेम करने का संदेश देता है।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. उचित समान अर्थ वाले शब्द पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर–

कड़ा	—	**कठोर**	उदार
शिक्षा	—	लड़ाई	**पढ़ाई**
अत्याचार	—	**जुल्म**	गैर
चोट	—	**तकलीफ़**	आश्चर्य

IV. कौन किसके साथ?

उत्तर–

महात्मा	गांधी
गुजरात	काठियावाड़
धार्मिक	प्रवृत्ति
असहयोग	आंदोलन
श्वेत	अश्वेत

V. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो शब्द में दो–

उत्तर– (क) मोहनदास करमचंद गांधी (ख) धार्मिक (ग) दक्षिण अफ्रीका

II. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) महात्मा गांधी के पिता करमचंद गांधी गुजरात के काठियावाड़ प्रदेश में दीवान थे।

(ख) दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी ने श्वेत लोगों के हाथों अश्वेत लोगों पर हो रहे अत्याचार और भेद-भाव को देखा।

(ग) गांधी जी द्वारा चलाए गए प्रमुख आंदोलन थे— असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन।

III. खाली स्थान भरो –

उत्तर– (क) गांधी जी की **माता** धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं।

(ख) **1891** में वे भारत वापस लौट आए।

(ग) **लगभग बीस** वर्ष तक गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में रहे।

(घ) **15 अगस्त 1947** के दिन भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।